www.page3news.in

देहरादून बुधवार 04 मई 2022

पेज थ्री

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 19.0° न्यूनतम 6.0°

36254.67 2 बस्तर में खेलों का विकास 7 सनातन धर्म का प्रमुख पर्व है अक्षय तृतीया पंडित अशोक कौशिक

तीर्थ यात्रियों की होगी अनिवार्य कोरोना जांच? जानें धामी सरकार का फैसला

देहरादून,। उत्तराखंड में अक्षय तृतीया के दिन मंगलवार को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा-2022 का आगाज हो गया है। देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। यात्रा शुरू होने के साथ ही उत्तराखंड सरकार ने श्रद्धालुओं को बड़ी राहत दी है। धामी सरकार ने चारधाम यात्रा पर जा रहे तीर्थ-यात्रियों को राहत देते हुए कोरोना जांच पर बड़ा फैसला लिया है।

उत्तराखंड में बाहर से आने वाले पर्यटकों और चारधाम यात्रियों की कोविड जांच नहीं होगी। लेकिन, सभी श्रद्धालुओं के लिए पर्यटन वि. भाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया गया है। अगले आदेश तक यात्रियों की राज्य की सीमा पर कोरोना की जांच और वैक्सीनेशन प्रमाणपत्र की जांच नहीं होगी।

आपको बता दें कि केदारनाथ धाम के कपाट छह मई को खोले जाएंगे। जबकि, बदरीनाथ धाम के कपाट आठ मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। कपाट खोलने को लेकर सरकार और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिरों को सजाया जा रहा है। पुलिस-एसडीआरएफ सहित स्वास्थ्य विभाग की अलर्ट मोड पर काम कर रहा है। उत्तराखंड सरकार ने बदरीनाथ-केदारनाथ सहित चारों धामों में रोजाना दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या तय कर दी है। सचिव धर्मस्व की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, यह व्यवस्था यात्रा के शुरुआती 45 दिन के लिए तय की गई हैं।

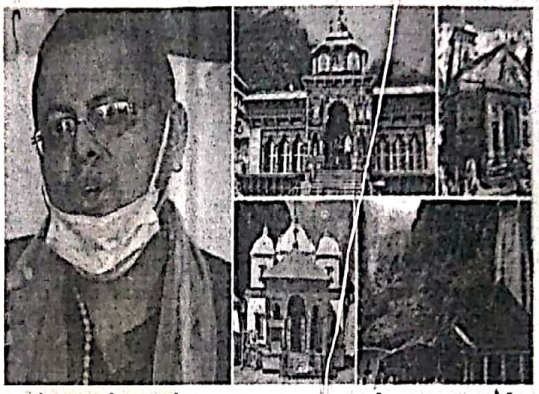

जिपं अध्यक्ष लिख सकेंगे सीडीओ और अपर मुख्य अधिकारी की एसीआर

देहरादून। पंचायतों को सशक्त करने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पंचायततीराज मंत्री सतपाल महाराज ने जिलापंचायत अध्यक्षों को मुख्य विकास अधिकारियों और अपर मुख्य अधिकारी की वार्षिक चरित्र प्रविष्टि में अंकन करने (एसीआर) का अधिकार दे दिया है। पंचायतों को सशक्त करने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पंचायततीराज मंत्री सतपाल महाराज ने जिलापंचायत अध्यक्षों को मुख्य विक. ास अधिकारियों और अपर मुख्य अधिकारी की वार्षिक चरित्र प्रविष्टि में अंकन करने (एसीआर) का अधिकार दे दिया है। पंचायततीराज मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को नैनीताल जिले में रामनगर क्षेत्र के ढिकुली स्थित एक रिसोर्ट में 73वें संविधान संशोधन के तहत त्रिस्तरीय पंचायतीराज संस्थाओं को सम्पूर्ण अधिकार हस्तान्तरण विषय पर प्रदेश के समस्त जनपदों से आये जिला पंचायत अध्यक्षों की बैठक में

यह निर्णय लिया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संगठन की अध्यक्ष एवं टिहरी की जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण ने पंचायतराज मंत्री के सामने एक मांग पत्र रखा। इसमें 73वें संविधान संशोधन के तहत जो 29 विषय पंचायतों को हस्तान्तरित किये जाने हैं, उनको तुरंत पंचायतों को हस्तांतरित किये जाने, सीडी. ओ और एएमए की सीआर लिखने का अधिकार दिए जाने सहित कई मांगे शामिल थी। विषय की गंभीरता को देखते हुए पंचायत राज मंत्री ने इसका अनुपालन करने का आश्वासन देते हुए जिलापंचायत अध्यक्षों को मुख्य विकास अधिकारी तथा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत के सीआर के अंकन के समय अपना मन्तव्य अंकित करने का अधिकार दे दिया।

पार्किंग में ओवर रेट लेने पर संबंधित ठेकेदार का कटेगा चालान

ऋषिकेश। मुनिकीरेती नगर पालिका क्षेत्र में वाहन पार्किंग स्थल पर वाहन खड़ा करने के लिए ओवर रेट पर नगर पालि. का चालान की कार्रवाई करेगी। साथ ही पार्किंग शुल्क की ऑटोमैटिक पर्ची वाहन चालक को मिलेगी। चारधाम यात्रा का आगाज हो गया। इसके साथ ही विभिन्न प्रांतों से यात्रियों को रैला तीर्थनगरी पह. चने लगा है। ऐसे में नगर पालिका मु. निकीरेती ने क्षेत्र में पालिका की पार्किंग का शुल्क निर्धारित कर दिया है। निर्धारित शुल्क से अधिक पैसे लेने पर संबंधित पार्किंग ठेकेदार के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जायेगी। पालिकाध्यक्ष रोशन रतूड़ी और अधिशासी अधिकारी तनवीर मारवाह ने बताया कि पालिका की वाहन पार्किंग ठेकेदारों को आवंटित की गई हैं। कई दफा पालिका को शिकायत मिलती है कि पार्किंग स्थल पर वाहन पार्क करने के लिए ठेकेदार ने निर्धारित रेट से अधिक शुल्क वसूला है। लिहाजा पालिका ने इस मामले में अब सख्ती बरती है। बताया कि पार्किंग स्थल पर साइन बोर्ड पर पार्किंग शुल्क चस्पा किए जाएंगे। जिससे की ठेकेदार पर्यटकों से ओवर रेट ना ले सके। शिकायत मिलने पर पहली बार में पांच हजार का चालान कटेगा। इसके बाद दूसरी बार शिकायत मिलने पर 10 हजार और तीसरी बार में 20 हजार रुपये जुर्माने के तौर पर वसूला जायेगा। चौथी बार शिकायत मिलने पर संबंधित ठेकेदार का ठेका निरस्त कर दिया जायेगा।

साकेत बड़ोला केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे

देहरादून। वरिष्ठ आईएफएस डा. साकेत बड़ोला अपनी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पूरी कर उत्तराखंड कैडर में लौट आए हैं। डा. साकेत करीब साढ़े चार साल वन्यजीव अपराध रोकने वाली अंतराष्ट्रीय संस्था ट्रैफिक इंडिया के हैड रहे। जो कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर काफी अहम जिम्मेदारी थी।

2008 बैच के वन अधिकारी डा. साकेत एक जाने माने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर भी हैं। कर्मठ और ईमानदार छवि के अधिकारी होने के कारण उनको ट्रैफिक इंडिया के हैड की अहम जिम्मेदारी दी गई थी। वे प्रतिनियुक्ति से पूर्व डीएफओ मसूरी और डीएफओ बडकोट रहे थे। इसके अलावा कार्बेट पार्क रहते हुए वन्यजीव संरक्षण, मानव वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, ईको टूरिज्म और कर्मचारी कल्याण के उनकी काफी तारीफ हुई थी। केंद्र में रहते हुए उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय कार्यक्रम चलाए तथा विभिन्न अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा को किया याद

देहरादून। उत्तराखंड राज्य नेपाली भाषा समिति ने विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा का 77वां शहीदी दिवस मनाया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी और कैंट विधायक सविता कपूर ने भी कार्यक्रम पहुंचकर शहीद दल बहादुर को श्रद्धांजलि दी। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी।

मंगलवार को गढ़ी कैंट स्थित शहीद दुर्गा मल्ल योगा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारत वर्ष की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अनेक वीरों में शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा का नाम देहरादून के रणबाकुरों में गोर्खा समुदाय में आदर से लिया जाता है। आजाद हिन्द फौज के वीर जवानों ने देश की आजादी के लिए जिस जज्बे और लगन के साथ अपने सर्वस्व को न्योछावर कर दिया था, उसे देश कभी भुला नहीं सकता। समिति के अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा ने कहा कि शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा ने भारत की स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोर्खा वीरता के प्रतीक 'खुखरी नृत्य की प्रस्तुति भी दी। डीडी पब्लिक स्कूल की छात्राओं और जैतनवाला ग्रुप ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, मीडिया प्रभारी प्रभा शाह, श्याम राना, पुष्पा क्षेत्री, मेग बहादुर थापा, बाल कृष्ण बराल, श्याम राना, सरोज गुरुंग, राजेंद्र मल्ल, पीबीओआर के अध्यक्ष शमशेर सिंह बिष्ट, विष्णु प्रसाद गुप्ता, विनिता क्षेत्री, माया पंवार, सुनीता क्षेत्री, कविता क्षेत्री, ऊषा राना, कविता शाही आदि मौजूद रहे।

रामनगर में बाइक की टक्कर से बच्ची की मौत

हल्द्वानी। रामनगर। ईद पर रिश्तेदारों के साथ कोसी बैराज घूमने जा रही नौ वर्षीय अनम फातमा पुत्री शिकंदर निवासी गुलरघट्टी की बाइक की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने बाइक सवार को हिरासत में लिया है। मंगलवार की सुबह अनम फातमा ने परिजनों संग ईद मनाई। दोपहर में मृतक अपने रिश्तेदारों के साथ कोसी बैराज घूमने पैदल जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार ने उसको टक्कर मार दी। परिजन बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बच्ची की मौत के बाद ईद की खुशी मना रहे परिजनों में मातम छा गया। कोतवाल अरूण कुमार ने बताया कि बाइक सवार को हिरासत में लिया गया है।

Scanned by CamScanner

सम्पादकीय

सब ठीक है का संदेश!

श्रम बाजार की बात होती है, तो उसमें ऐसे कार्यों का कोई महत्त्व नहीं होता, जिनसे लोगों को एक निश्चित आमदनी नहीं होती हो। ऐसे कितने लोग होंगे, जो स्वेच्छा से ऐसी स्वंयसेवा कर रहे होंगे? आठ साल पहले कामकाजी उम्र की महिलाओं का 21 फीसदी श्रम बाजार में था। अब ये संख्या 9 प्रतिशत रह गई है। गनीमत है कि रोजगार बाजार के बारे में ताजा आंकड़ों की सच्चाई को सरकार ने चुनौती नहीं दी है। लेकिन उसने उन आंकड़ों की अलग व्याख्या जरूर पेश कर दी है। आंकड़ें यह हैं कि भारत की कुल कामकाजी आबादी का 60 फीसदी से अधिक हिस्सा श्रम से बाहर हो गया है। यानी ये वो लोग हैं, जो रोजगार नहीं ढूंढ रहे हैं। स्पष्टत: इनमें बहुत बड़ा हिस्सा उन लोगों का है, जिन्हें अपनी योग्यता या जरूरत के मुताबिक काम मिलने की उम्मीद नहीं रही। तो हताश होकर उन्होंने अपने को इस बाजार से बाहर कर लिया। जब नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब कामकाजी आबादी (18 से 60 वर्ष) का 46 फीसदी हिस्सा श्रम बाजार में शामिल था। अब यह संख्या लगभग 39.5 प्रतिशत है। ये आंकड़े सेंटर फॉर मोनिटरिंग ऑफ इंडियन इकॉनमी (सीएमआई) ने जारी किए हैं। चूंकि सरकार ने सावधिक रोजगार-बेरोजगारी का सर्वे बंद कर रखा है, इसलिए इस बारे में जानने का एकमात्र स्रोत सीएमआंईई के सर्वे रह गए हैं। इस संस्था के ताजा आंकड़ों पर चर्चा तेज हुई तो केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने उस पर अपना जवाब जारी किया। उसमें कहा गया- 'यह गौर करना महत्त्वपूर्ण है कि कामकाजी उम्र वाले सभी संभव है कि काम ना कर रहे हों या काम की तलाश में ना हों। लेकिन इन समूह का एक बड़ा हिस्सा शिक्षा ग्रहण कर रहा है या हो सकता है कि वह ऐसा काम कर रहा हो, जिनमें वेतन का भुगतान नहीं होता। हो सकता है कि एक बड़ा हिस्सा घरेलू कामकाज में शामिल हो, जिसमें भी वेतन नहीं मिलता।' इनमें शिक्षा की बात तो ठीक है। लेकिन जब श्रम बाजार की बात होती है, तो उसमें ऐसे कार्यों का कोई महत्त्व नहीं होता, जिनसे लोगों को एक निश्चित आमदनी नहीं होती हो। आखिर ऐसे कितने लोग होंगे, जो स्वेच्छा से ऐसी स्वंयसेवा कर रहे होंगे? सीएमआईई ने बताया है कि आठ साल पहले कामकाजी उम्र की महिलाओं का 21 फीसदी श्रम बाजार में था। अब ये संख्या 9 प्रतिशत रह गई है। जाहिर है, इनमें से ज्यादातर महिलाएं घरेलू कार्यों में लगी होंगी। लेकिन क्या ये स्वस्थ स्थिति है और ऐसा उन्होंने स्वेच्छा से किया है? या ऐसा श्रम बाजार की स्थितियां बिगडने की वजह से हुआ है? कामकाजी आबादी के इतने बड़े हिस्से के उत्पादक काम ना करने से अर्थव्यवस्था को जो नुकसान होता है,. क्या सरकार ने उसका आकलन किया है?

श्मशान घाट की भूमि पर भू माफियाओं का कब्जा

बिजनौर जिले की तहसील नगीना के ग्राम महेशपुर उर्फ हीरावाली मैं श्मशान घाट की भूमि पर भू माफियाओं का कब्जा कई वर्षों से भू-माफिया श्मशान घाट की लाखों रुपए की कीमत की भूमि पर अपना कब्जा जमाए बैठे हैं। जबकि श्मशान घाट तीन या चार गांव का श्मशान घाट है। गांव में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने के बाद दाह संस्कार किया जाता है। लेकिन भू माफिया के कब्जे को लेकर जहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला बिजनौर के जिला अधिकारी उमेश मिश्रा ने सामाजिक भूमि या चारागाह की जमीन को कब्जा मुक्त कराने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। लेकिन तहसील नगीना के ग्राम महेशपुर उर्फ हीरावाली मैं श्मशान घाट सहित कई तालाबों पर भू माफिया ने कब्जा कर रखा है। और आपको बताते चलें कि कई सामाजिक भूमि पर लोगों ने अपना निर्माण कर मकान बना रहे हैंलेकिन इस ओर कोई राजस्व विभाग का कोई अधिकारी देखने को तैयार नहीं है। इन भू माफिया की वजह से सरकार की छवि खराब हो रही है लेकिन राजस्व विभाग का कोई कठिन कदम न उठाने से इन भू माफिया के हौसले बुलंद हैं। इससे पहले भी कई बार श्मशान घाट की भूमि को लेकर आवाज उठी लेकिन किसी भी राजस्व विभाग के अधिकारी ने श्मशान घाट की भूमि को कब्जा मुक्त नहीं कराया कहने को तो श्मशान घाट की भूमि लगभग 14 बीघा है। लेकिन अगर श्मशान घाट की भूमि की पैमाइश की जाए तो भू माफिया की सारी की सारी पोल खुलती नजर आएगी। कुछ भू माफियाओं ने तो श्मशान घाट की भूमि पर बोरिंग करा कर और श्मशान घाट की भूमि को कब्जा कर खेती कर रखी है। लेकिन राजस्व विभाग इस ओर कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है।

गेहू के भूसे की महंगाई का दंश झेल रहे हैं पशुपालक

बिजनौर जिले में भूसे की महंगाई को लेकर पशुपालक की चिंता बड़ी हुई है।जहां गेहूं के सीजन में गेहूं का भूसा चार सौ या पांच सौ प्रति कुंतल बिकता था वही आज भूसे की कीमत लगभग ग्यारह सौ रुपए प्रति कुंटल है। जिससे पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। भूसा इतना महंगा होने के कारण पशुपालक अपने पशुओं को भूसा कहां से खिलाएंगे कुछ लोग तो भूसे को स्टॉक कर के भूसे की कीमत को बढ़ावा दे रहे हैं। क्योंकि पिछली बार बरसात में भूसा लगभग 15 [illegible] देखते हुए लोगों ने भूसा स्टॉक कर लिया है। क्योंकि भूसा स्टॉक स्वामी सोच रहे हैं कि जब पिछली बार 15 सो रुपए भूसा बिका था तो इस बार लगभग छ2000 भूसा बिकेगा इसी को देखते हुए लोगों ने भूसा का स्टॉक कर रखा है। या मानो यह लोग महंगाई को बढ़ावा दे रहे हैं। जिससे पशुपालकों में चिंता बनी हुई है। जिलाधिकारी द्वारा भूसा स्टॉक स्वामियों पर जांच कर उचित कार्रवाई होनी चाहिए जिससे भूसा स्टॉक स्वामी की मनमानी न हो और पशुपालक अपने पशुओं को भूसा खिला सके।

बस्तर में खेलों का विकास

शशांक श्रीधर शेंडे

बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में नौकरी के लिए 1988 नवम्बर को जब मैं निकला तो माँ बोली वहां मत जा, आदिवासी लोग तीर मार देते हैं । देशभर के आम जनमानस में बस्तर की अमूमन यही तस्वीर थी । क्षेत्रफल में केरल से बड़ा होने के बावजूद और खनिज भंडारों के अकूत संपदा का मालिक होने के बाद भी बस्तर अत्यन्त पिछड़ों में गिना जाता था । जब तक बस्तर मध्यप्रदेश का हिस्सा था यहाँ विकास की चिडिया को पंख भी नहीं लगे थे । सामान्य विकास का नामोनिशान नही था तो खेलों का विकास तो जैसे कल्पना के आकाश में उडने जैसा ही था ।

वर्ष 2000 का नवम्बर महीना बस्तर के लिए सौगात लेकर आया जब अटल बिहारी जी की सरकार ने छतीसगढ़ राज्य बनाया मध्यप्रदेश से अलग करके । तब शनै: शनै: विकास की नदिया का पानी बस्तर की ओर भी बहने लगा कहूँ ,तो अतिशयोक्ति न होगी। वर्ष 1975 से आरम्भ हुई ठाकुर विजय बहादुर गोल्ड कप फुटबाल प्रतियोगिता मानों यहाँ का विश्व कप फुटबाल था । यही एकमात्र खेल था जिसके लिए पूरा जगदलपुर और आस पास के उड़ीसा के भी गावों के लोग मैच देखने आया करते थे और शहर का सिटी ग्राउंड खचाखच भर जाता था । लेकिन इसके अलावा कोई ऐसा उल्लेखनीय खेल और नहीं था, जो इतना अधिक लोकप्रिय हो । वैसे तो यहाँ वॉलीबाल, कबड्डी, हॉकी, क्रिकेट भी चलन में थे पर अत्यधिक लोकप्रिय फुटबाल ही रहा जिसमें पशिचम बंगाल, पंजाब , केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार , ओडिष्सा, गोवा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश की नामी टीमें आया करती थीं ।

लगभग 20 वर्ष पहले जगदलपुर शहर में महिलाओं के राष्ट्रिय खेल का आयोजन हुआ जिसमे विभिन्न खेल शामिल थे, खो खो, कबड्डी, फुटबाल, लम्बी कूद, ऊँची कूद, बाल बैडमिंटन, हैंडबाल, वॉलीबाल इत्यादि, इसमें देश के लगभग सभी राज्यों से टीमों ने शिरकत की थी । उसकी वजह से बस्तर में खेल गतिविधियों की हलचल बढ़ गई और इस खेल के बाद नेशनल शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और मुझे लगता है, इस राष्ट्रीय खेल ने बस्तर में खेलों के विकास के लिए तडके का काम किया , क्योंकि इससे बालिकाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ी और उनमें आत्मविश्वास जागृत हुआ और मैंने व्यक्तिगत रूप से बड़ा फर्क ये महसूस किया कि जगदलपुर में स्थित माता रुक्मणि बालिका आश्रम डिमरापाल में जबरदस्त उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ और बालिकाओं को प्रोत्साहित करने से लिए आश्रम के प्रबंधक पद्मश्री धर्मपाल सैनी जी का अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरनीय और अद्भुत योगदान रहा ।

बस्तर संभाग में माता रुक्मणि संस्थान के लगभग 40 आश्रम हैं, जो पद्मश्री धर्मपाल सैनी जी की तपस्या का फल है, उन्होंने बस्तर के गाँव गाँव से बीहड़ वन क्षेत्र से बच्चियों को शिक्षित करने के लिए अपने आश्रम में लाया उनको पढ़ाया लिखाया उनकी इसी समाज सेवा और विशिष्ट कार्य के लिए उनको पद्मश्री से नवाजा गया । समाज सेवा और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में वे अग्रणी तो थे ही परन्तु खेल के लिए उनके योगदान को नकार नहीं सकते । वे स्वयं ही सुबह से बालिकाओं को लेकर मैदान में पहुँच जाते हैं और उनका उत्साहवर्धन करते हैं । उनके सान्निध्य में रहकर कई बच्चे निखर कर आगे आये । बालमति ने तो राज्य स्तरीय मैराथन में पहला स्थान पाया था । बस्तर में खेलों के विकास में सैनी जी को कोई भूल नहीं सकता । आज भी 93 वर्ष की आयु में वे आपको खेल के मैदान में मिल जायेंगे। उनके जज्बे को मेरा नमन है । वे हमारे लिए बस्तर का गौरव हैं एक धरोहर हैं और माता रुक्मिणी आश्रम खेलों में मील का पत्थर । आज स्थिति ये है की आश्रम की बालिकायें राज्य स्तर पर, राष्ट्र स्तर पर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी परचम लहरा रहीं हैं । कई खेलों में आश्रम की बालिकाओं का अहम् योगदान साबित हो रहा है, चाहे मैराथन हो, तीरंदाजी हो, फुटबाल हो, योग हो ।

यहाँ पर मैं नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन का उल्लेख करना भी महत्पूर्ण समझता हूँ । यहाँ के बालकों ने देश की स्कूल स्तर की प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता संतोष ट्राफी जीतकर बस्तर को गौवान्वित किया और न सिर्फ बस्तर का, राज्य का डंका फुटबाल में बजा दिया । वहां के बच्चों ने भी कई खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर का नाम ऊँचा किया है, बीजापुर बचेली के बच्चे बैडमिंटन में काफी अच्छा कर रहे हैं । शतरंज के खेल में जगदलपुर के लव्यज्योति ने बालक वर्ग में 2021 में अन्डर 12 में राष्ट्र स्तर पर धमक पैदा की राष्ट्रीय स्तर पर हुई ऑलाइन प्रतियोगिता में उसने प्रथम स्थान प्राप्त कर बस्तर और पूरे छतीसगढ़ का मान बढ़ाया यह बस्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है । मुझे उसमे भविष्य का ग्रैंडमास्टर नजर आ रहा है ।

बस्तर की पर्वतारोही नैना धाकड़ ने हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त की । नैना धाकड़ की यह उपलब्धि अद्भुत और लाजवाब है । वह बस्तर के खिलाडियों की प्रेरणा है नैना छतीसगढ़ की प्रथम महिला है जिसने माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराया है । बस्तर में कई खेलों में अनेक संभावनाएं हैं क्योंकि यहाँ प्रतिभाओं की कमी नहीं है ,फुटबाल जुडो कराटे, किक बॉक्सिंग, क्रिकेट, एथलेटिक्स, बैडमिंटन , नौका दौड़ में खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं तथा राष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दे रही हैं । ग्रामीण खेलों का भी माहौल जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से बहुत बढिया बन रहा है। खो खो, कबड्डी, योग, मलखम्ब इत्यादि में बस्तर के बच्चे आगे निकल रहे हैं । मार्च 2022 हरियाणा के पंचकुला में सम्पन्न हुई राष्ट्रिय सिविल सर्विसेस की बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी बस्तर के मनोज लकड़ा, नेगी , जगत साव, बी एस ध्रुव , एस। एस। शेंडे, डॉ। बी प्रकाश मूर्ती , राबर्टसन, नितेश महंत, हलीम और नेताम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर और पदक जीतकर बस्तर में खेलों के विकास की ओर बढ़ते कदमों की आहट से ध्यान आकर्पित किया है ।

कोचिंग व्यवथा के कमी की वजह से खिलाडियों को उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता लेकिन अब बस्तर में एनआई एस कोच भी उभरने लगे हैं जो बस्तर के आने वाले भविष्य की ओर इंगित करते हैं । साथ ही कुछ अच्छे पुराने खिलाड़ी भी बालक और बालिकाओं के लिए पसीना बहा रहे हैं जो सराहनीय है । क्रिकेट में आनंद मोहन मिश्रा, राजकुमार महतो, जोगेन्द्र ठाकुर, अनुराग शुक्ला, करनदीप सग्गू एथलेटिक्स में अजय व संजय मूर्ती, हाकी में पिल्ले, जुडो में मोईन अली, मकसूदा हुसैन, ठाकुर मास्टर्स एथलेटिक्स में नबी मोहम्मद, अशोक राव, बास्केटबाल में संगीता तिवारी, फुटबाल में रूपक मुखर्जी, गौतम कुंडू, विश्वजीत भट्टाचार्य इत्यादि। रूपक मुखर्जी तो फुटबाल के राष्ट्रीय रेफरी भी बने, शतरंज में राजेश जेना और रविन्द्रनाथ कुलगुरु बस्तर से पहले आर्बिटर बने ।

Scanned by CamScanner

चम्पावत पालिका क्षेत्र में शुरू हुआ सर्वे कार्य

चम्पावत। चम्पावत पालिका क्षेत्र में शहरी विकास विभाग की टीम ने सर्वे शुरू कर दिया है। टीम के सदस्यों ने स्मार्ट सिटी बनाने के लिए नगर के कई हिस्सों में सर्वे किया। इससे पूर्व टीम पालिका सभासदों से इस संबंध में विचार विमर्श कर चुकी है। शहरी विकास विभाग की तकनीकि टीम ने सोमवार को नगर की भौगोलिक, पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक ओर तकनीकि स्थितियों का जायजा लिया। टीम ने पेयजल और सीवर स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं को सुधारने की संभावनाओं को टटोला। तकनीकि सर्वेक्षण टीम के इंजीनियर काशीनाथ हलधर ने बताया कि नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर सेप्टिक टैंक लीक होने से गंदा पानी खुली नालियों में बहने से जल प्रदूषण हो रहा है। इससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि सीवरेज नेटवर्क के स्थान पर फीकल स्लज प्रबंधन तकनीकि का उपयोग किया जाएगा। शहरी विकास विभाग के आईईसी अधिकारी राजेश बहुगुणा और सामाजिक-पर्यावरणीय सलाहकार सुरेश खंडूरी ने लोगों को परियोजना की पृष्ठभूमि और उससे होने वाले लाभों की जानकारी दी। टीम में रीड्स संस्था के सर्वे समन्वयक सुभाष टम्टा, सीमा देवी, महेश, ललिता बोहरा, विनीता, पंकज, सौरभ, हेमा बिष्ट आदि शामिल रहे।

13 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

बागेश्वर। थाना पुलिस ने 13 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नगरकोटी ने बताया कि सोमवार को पुलिस शांति व्यवस्था को लेकर गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान आन सिंह पुत्र शेर सिंह निवासी ग्राम वाछम तोक जैकुनी की तलाशी ली गई। उसके पास से 13 बोतल अंग्रेजी पकड़ी गई। पुलिस ने उसके खिलाफ 60आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

उद्योग मित्रों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा: डीएम

चम्पावत। डीएम नरेंद्र सिंह भंडारी ने उद्योग मित्रों को समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। साथ ही अधिकारियों को उद्योग मित्रों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में उद्योग मित्र समिति की बैठक हुई। उद्योग विभाग के महाप्रबंधक दीपक मुरारी ने कहा पीएमईजीपी योजना के तहत 3.95 करोड़ रुपये मार्जिन मनी मिला है। कहा 150 आवेदन बैंकों ने स्वीकार किए हैं। इनमें से 126 आवेदकों को लोन दे दिया है। सीएम स्वरोजगार योजना में 16 आवेदन बैंकों को अग्रसारित किए गए हैं। एकल खिड़की सुगमता व्यवस्था के तहत नौ मामलों को सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। बताया औद्योगिक आस्थाना में पांच इकाईयों की किस्त समय पर नहीं आ रही है। डीएम ने सभी इकाईयों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। यहा डीएफओ आरसी कांडपाल, ऊर्जा निगम के ईई एसके गुप्ता, उरेडा के परियोजना अधिकारी मनोज कुमार बजेठा, ट्रेजरी अधिकारी एकता मंजवानी रहे।

पुलिस ने चलाया इवनिंग स्ट्रोम अभियान, 9 लोगों का चालान

अल्मोड़ा। जिले में पुलिस की ओर से सोमवार से इवनिंग स्ट्रोम अभियान की शुरुआत की गई। पहले दिन पुलिस ने शराब पीने ओर पिलाने वाले नौ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान 35सौ रुपये का जुर्माना वसूला। डीआईजी डॉ. नीलेश आनंद भरणे के निर्देश पर कुमाऊं भर में इवनिंग स्ट्रोम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों, खुले मैदानों, होटल, ढाबों, ठेलियों पर शराब पीने एवं पिलाने वालों पर रोकथाम को लेकर कार्रवाई की जा रही है। पहले दिन सीओ ओशीन जोशी, कोतवाल अरुण कुमार के नेतृत्व में टीम ने अभियान चलाया। जितसमें शराब पीने और पिलाने वाले कुल नौ लोगों के खिलाफ उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। होटल,ढाबा, ठेली संचालकों व सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को हिदायत दी गई।

सड़क नहीं बनाने पर लाता के ग्रामीण करेंगे आमरण अनशन

चमोली। भारत-तिब्बत की सरहद से लगे सीमान्त गांव लाता के ग्रामीणों ने सोमवार को जोशीमठ नगर के मुख्य चौराहे से तहसील प्रांगण तक ढोल नगाड़ों के साथ जुलूस प्रदर्शन कर सरकार और लोनिवि के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने कहा कि 6 साल का लंबा समय बीतने के बाद भी उनके गांव के लिए स्वीकृत सड़क पूरी नहीं हो पायी है, जिस कारण ग्रामीणों को रोजाना चार किमी की चढ़ाई नापनी पड़ रही है। गुस्साए ग्रामीणों ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर कहा कि नंदा देवी मींदर को जाने वाली दो किलोमीटर सड़क 6 वर्ष पहले स्वीकृत हुई थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क निर्माण के लिए लोनिवि द्वारा धार तोक से आगे कुछ क्रेटवाल बनाई गई थी। बताया कि गुणवत्ता के अभाव के कारण सभी दीवारें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है, सड़क के किराने बनी इन दीवारों पर एक-एक मीटर लंबी दरारें पड़ चुकी है। कहा कि अगस्त माह में लाता की नंदा राजजात देवरा यात्रा का आयोजन होना है जो कि इसी सड़क मार्ग से होकर जाएगी। परंतु सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि लोगों को पैदल चलने में भी कठिनाई हो रही है।

सैन्य सम्मान के साथ हुआ सेना के जवान बाघ सिंह अंतिम संस्कार

चमोली। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह हाईवे पर शनिवार को सेना का वाहन पलटने से चमोली जिले के थराली के रहने वाले बाघ सिंह का निधन हो गया था। सोमवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ देवाल के पिंडर कैल संगम पर अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े भाई राजेंद्र सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान जवान बाघ सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

श्रीनगर-लेह हाईवे पर शनिवार को सेना का वाहन पलटने से 9 गढ़वाल राइफल्स के जवान बाघ सिंह का निधन हो गया था। बाघ सिंह का निधन गाड़ी के नीचे दबने से हुआ। इस हादसे में 2 अन्य जवान भी घायल हुए। सोमवार को जवान बाघ सिंह का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव कांडे लाया गया। जहां पिंडर कैल नदी के संगम पर बाघ सिंह को कर्नल विक्रम सैनी की मौजूदगी में गढ़वाल स्काउट ने सलामी दी.पंचतत्व में विलीन हुए बाघ सिंह.ये भी पढ़ें: सड़क हादसे में सेना के जवान का निधन, चमोली के कांडे गांव में शोक की लहरइस दौरान हजारों लोगों का हुजूम जवान बाघ सिंह के दर्शन के लिए उमड़ा। लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई देते हुए बाघ सिंह अमर रहो के नारे लगाए। बाघ सिंह परिवार में सबसे छोटे थे, उसका बड़ा भाई दुबई में नौकरी करता है। जबकि दो बहनों का विवाह हो गया है। जवान के पिता भी 9 गढ़वाल राइफल्स से ही सेवानिवृत्त हुए हैं।

उत्तराखंड बेरोजगार संगठन ने किया प्रदर्शन

चम्पावत। चम्पावत में उत्तराखंड बेरोजगार संगठन ने प्रदर्शन किया। संगठन से जुड़े बेरोजगार युवाओं ने यूकेएसएससी प्रवेश परीक्षा में अनियमितता के आरोप लगाए। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच की मांग की। इस संबंध में उन्होंने तहसीलदार ज्योति धपवाल के जरिए सीएम को ज्ञापन भेजा। संगठन अध्यक्ष हिमांशु ओली के नेतृत्व में बेरोजगार युवाओं ने तहसील में प्रदर्शन किया। युवाओं का कहना है कि बीते सात अप्रैल को यूकेएसएससी का परीक्षा 'परिणाम घोषित किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ने कई सवालों को हटा दिया। जबकि कई गलत प्रश्नों को सही मान लिया गया। इससे हजारों अभ्यर्थी चयनित होने से वंचित हो गए। कहा कि पूर्व में वन दरोगा की भर्ती परीक्षा में भी कई सवाल हटा दिए गए थे। उन्होंने नार्मलाइजेशन प्रक्रिया को खत्म करने की मांग की। कहा कि इससे पूर्व चयन आयोग में कार्यरत अध्यक्ष, सचिव और परीक्षा एजेंसी एनएसईआईटी के कार्यकाल में कई परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। इसके अलावा उन्होंने अध्यक्ष, सचिव को पदमुक्त और परीक्षा एजेंसी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल, श्याम कार्की, सतीश जुकरिया और विनोद बडेला ने बेरोजगारों की मांग का समर्थन किया। प्रदर्शन करने वालों में कमल ढेक, मनीष मेहरा, पंकज बोहरा, राजीव सिंह देव, नीरज कापड़ी, मनीष जोशी, नवीन राय समेत तमाम लोग शामिल रहे।

शांतिपूर्वक ठंग से अदा की गई ईद की नमाज

बढ़ापुर: नगर सहित ग्रामीण अंचलों में ईद की नमाज शांतिपूर्वक ठंग से अदा की गई। नगर की ईदगाह में मुफ्ती नौशाद ने हजारों अकीदतमन्दो नमाज अदा कराई। नमाज के बाद मुल्क में अमन ओ अमान के लिये दुआएं की गई। पुलिस प्रशासन ने ईद की नमाज सड़कों पर अदा न किये जाने के चलते राहत की सांस ली,मंगलवार को ईद की नमाज नगर की ईदगाह में तय समय पर मुफ्ती नौशाद द्वारा हजारों अकीदतमन्दो द्वारा अदा की गई। बताते चलें कि बीते दो वर्षों से कोरोना के कारण अकीदतमंद ईदगाह में नमाज नही कर पा रहे थे जिस कारण तय समय से पहले से हजारों की संख्या अकीदतमंद ईदगाह पहुँच चुके थे। ईदगाह जाने वाले रास्तो पर साफ सफाई की जिमेदारी को स्थानीय पंचायत प्रशासन ने बखूबी निभाया जिसके चलते हुए सड़को पर बेहतर सफाई देखने को मिली। पुलिस प्रशासन द्वारा बीते एक सप्ताह से ईद की नमाज सड़को पर अदा न करने के लिए मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक की जा रही थी जिग्के मद्देनजर मंगलवार को पुलिस प्रशासन इस बाबत काफी चौकन्ना था। जिसके चलते हुए लोगो ने पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिये ईदगाह के समीप मकानों में ईद की नमाज अदा की। ईद की नमाज के बाद मुल्क में अमन ओ अमान देश मे खुशहाली व तरक्की के लिये दुआएं मांगी गईं। ईदगाह के समीप चेयरमैन पद के दावेदारो ने नमाजियों के लिये जलपान का प्रबंध किया था। मौजूदा चेयरमैन आबिद अंसारी के स्टॉल पर लोगो को कोल्डड्रिंक व समोसे बांटे गए जिसके चलते लोगो ने मौके पर खाने के साथ साथ घरों के लिये भी इकठा कर अपने साथ ले गए जबकि एक अन्य दावेदार के स्टॉल से लोगो को कोल्डड्रिंक नही मिल पाई ईदगाह पर बांटी गई कोल्डड्रिंक पूरे दिन नगर में चर्चा का विषय बनी रही। कोई नकली की बात कर रहा था तो कोई कोल्डड्रिंक की कमी पर प्रत्याशी की खिंचाई कर रहा था। ईदगाह में नमाज शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिये थाना प्रभारी अनुज कुमार तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे जबकि राजस्व विभाग की ओर से हल्का लेखपाल कमल कुमार शर्मा भी मौके पर मोजुद रहे। स्थानीय पंचायत प्रशासन की ओर से नगर के बारात घर के बाहर लोगो के सेल्फी पॉइंट बनाया गया था ईओ सेवाराम राजभर द्वारा दिव्यांगों के लिये व्हीलचेयर से ईदगाह पहुचाने की व्यवस्था कराई गई थी।

Scanned by CamScanner

कोरोना वायरस से मिली हैं ये 6 सीख, समझने पर बेहतर हो सकता है हमारा कल

एक साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी कोरोना हमारे बीच मौजूद है और इसका गहरा असर हर क्षेत्र पर पड़ा है।

अब विशेषज्ञ कोरोना के प्रभावों का अपने-अपने तरीके से विश्लेषण कर रहे हैं।

अमेरिकी विशेषज्ञ माइकल जेरमन के मुताबिक, कोरोना से जो हमें सीख मिली है, वह हमारे भविष्य को आकार दे सकती है।

उनके अनुसार, कोरोना से मुख्य रूप से हमें 6 तरह की सीख मिली है। आइए जानते हैं उनके बारे में-

1. प्रकृति हमें मारने निकली है

माइकल जेरमन कहते हैं कि हमें सिर्फ इंद्रधनुष और डूबते सूरज को प्रकृति नहीं समझना चाहिए।

यह मनुष्यों और माइक्रोबियल रोगजनकों के बीच कठोर विकासवादी संघर्ष भी है। हमें नई बीमारियों के लिए तैयार रहना होगा।

मुश्किल यह है कि रोगजनक बेहद तेजी से विकसित होते हैं। उदाहरण के रूप में एशेरिकिया कोलाए को लेते हैं। यह एक दिन में ही ब्यूटेंट तैयार कर लेता है। जबकि इंसान को विकसित होने में सदियां लगती हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, हर 4 से 5 साल में एक नया रोगजनक आ जाता है।

हालांकि, कोविड-19 सबसे बुरा है, लेकिन हमने हाल में नोवेल इन्फ्लूएंजा का भी सामना किया है, जो काफी घातक है।

2. हम समस्या को और बिगाड़ रहे हैं

75 फीसद नई बीमारियों का मूल जानवर हैं। मनुष्य कई तरह से इस खतरे को बढ़ा रहा है।

एक तो प्रोटीन की ज्यादा मांग के चलते कई जानवरों, जैसे सुअर को अब घरेलू स्तर पर पाला जा रहा है।

वहीं जंगलों के कटने से मनुष्य और जंगली जानवरों का संपर्क भी अधिक हो गया है, जैसे चमगादड़ बेहद तेजी से संक्रमण फैलाते हैं।

वैज्ञानिकों के एक अनुमान के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में जानवरों से फैलने वाली 1200 बीमारियां मिली हैं।

जबकि 7 लाख ऐसी बीमारियों का अनुमान है, जिनके बारे में हम नहीं जानते हैं।

3. इन खतरों से आइसोलेशन (अलगाव) एक मिथक है

हर रोज विमान दुनिया के एक छोर से दूसरे छोर तक जाते हैं। हमने देखा है कि ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन के किसी वायरस को हम तक पहुंचने में वक्त नहीं लगता है। यानी दुनिया के किसी हिस्से में अगर वायरस से जंग ठीक से नहीं लड़ी जाएगी तो यह फिर हम तक पहुंच जाएगा।

4. विकेंद्रीकरण अच्छा राजनीतिक सिद्धांत है, लेकिन खराब स्वास्थ्य नीति है

विशेषज्ञों के मुताबिक, कोरोना से हमें सीख मिली है कि कई बार विकेंद्रीकरण सेहत संबंधी नीतियों के लिए अच्छा नहीं होता है। अमेरिका में 3000 से ज्यादा राज्य, स्थानीय और ट्रिब्यूनल हेल्थ डिपार्टमेंट ने नीतियां बनाईं। पर कई जगहों पर ऐसा लगा कि वायरस के सामने प्रशासन ने सरेंडर कर दिया।

5. लोग परोपकार की भावना से व्यवहार परिवर्तन नहीं करते

कोरोना महामारी में वायरस 70 फीसद 20 से 49 साल के लोगों के जरिए फैला, लेकिन जान गंवाने वाले 80 फीसद लोग 65 साल या इससे ज्यादा के थे।

यानी अगर आप 65 साल से ज्यादा के हैं तो बीमारी से जान जाने का खतरा 5.6 फीसद है, लेकिन 20 से 49 साल के लिए लोगों पर यह खतरा केवल 0.092 फीसद है।

पर क्या युवाओं ने मास्क पहनकर वायरस फैलने से रोका, तो जवाब है नहीं।

यानी सिर्फ सरकार ही है, जो नीतियां बनाकर लोगों से नियम का पालन करा सकती है।

6. हालांकि, हम अगले वायरस के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं, हम बड़े वायरस के लिए तैयार नहीं हैं-

विशेषज्ञों के अगले वायरस से बचने के लिए कई सुझाव दिए हैं-

-जंगलों की कटाई धीमी करनी होगी

-वन्य जीव व्यापार के लिए बेहतर नीतियां बनानी होंगी।

-फैक्ट्री फार्मिंग को भी रेगुलेट करने की जरूरत है।

-जानवरों से मनुष्यों में आने वाले रोगाणुओं का ज्यादा गहराई से अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

-जेनेटिक रोगों के एक आनुवंशिक कैटलॉग के निर्माण में तेजी लाई जाए।

-विकासशील देशों में स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए और अधिक निवेश की जरूरत।

वजन कंट्रोल करने के साथ ही स्किन का भी उपचार करता है सरसो का तेल, जानिए 10 फायदे

सरसो का तेल हमारे खाने का अहम हिस्सा है। पौष्टिक गुणों से भरपूर सरसो के तेल को तासीर गर्म होने से सर्दियों में यह बेहद फायदेमंद माना जाता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होने के कारण सरसों

के तेल को एक हेल?दी तेल माना जाता है। सरसो का तेल सेहत से लेकर स्किन तक का ख्याल रखता है।

इसमें विटामिन ई पाया जाता है, जो स्किन को अल?ट्रावाइलेट किरणों और पल?यूशन से बचाता है। इतना ही नहीं यह स्किन की झाइयों और झुर्रियों को भी दूर करता है। आइए जानते हैं कि सरसों के तेल के स्किन के लिए कौन-कौन से फायदे हैं।

सरसों का तेल मसल्स को मजबूत करता है। इस तेल से मालिश करने से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त संचार भी बेहतर होता है। यह शरीर में गर्माहट पैदा करने में भी मददगार होता है।

सरसों का तेल शरीर की कार्य क्षमता बढ़ा कर शरीर की कमजोरी को दूर करने में मदद करता है।

भूख नहीं लगने पर सरसों का तेल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। ये शरीर में पाचन तंत्र को दुरूस्त करने में भी लाभदायक होता है।

सरसों के तेल का प्रयोग करने से कोरोनरी हार्ट डिसीज का खतरा भी कम होता है। इसलिए सरसों के तेल को अपने खाने में जरुर शामिल करें।

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन जैसे थियामाइन, फोलेट व नियासिन शरीर के मेटाबाल्जिम को बढ़ाते हैं जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। शरीर की अंदरूनी कमजोरी को दूर करने के लिए सरसों का तेल बेहद उपयोगी है।

आप सॉफ्ट त्वचा पाने के लिए सरसों के तेल का उपयोग कर सकते हैं। तेल में मौजूद विटामिन ई शरीर से फ्री रेडिकल?स को ब्लॉक करके त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है।

यह तेल स्किन पर काले धब्बों को दूर करता है साथ ही चेहरे की फाइन लाइन्स और झुर्रियों को भी दूर करता है। इसके सेवन से त्वचा को अंदरुनी पोषण मिलता है।

अत्यधिक कॉफी, चाय और वाइन का सेवन करने से दांतों में बदबू आ सकती है। दांतों को चमकदार बनाने के लिए आप थोड़ा सा सरसों के तेल का उपयोग कर सकते हैं। आपके दांतों में दर्द है तो सरसों के तेल में नमक मिलाकर मसूड़ों पर हल्की मालिश करें।

बालों के लिए भी सरसों का तेल फायदेमंद है।

सरसों के तेल में कई ऐसे तत्व होते हैं जो आपके बालों को लंबे समय तक काला बनाए रखते हैं। डैंड्रफ, खुजली, बालों का झड़ना जैसी समस्याओं से निजात पाने के लिए ये तेल हल्का गुनगुना करके हाथों से बालों की जड़ों पर मसाज करें।

इसलिए सेहत के लिए नुकसानदायक होता है मिल्कशेक...

क्या आपको मिल्कशेक पसंद हैं? ताज़ा कटे रसभरे फल का स्वाद और साथ ही थोड़ा दूध और दही को ब्लैंड किया गया हो, तो मज़ा ही आ जाए.

दोबारा सोचिए! कई बार जब हम दो अलग-अलग तासीर की चीजों को मिक्स करते हैं, तो वह हमारी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो जाता है. बल्कि यह कहिए कि दो अलग तासीर के खाद्य पदार्थ एक साथ खाने से हमारी पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ता है.

आयुर्वेद के मुताबिक अगर देखा जाए तो दूध और फल का एक साथ सेवन नहीं करना चाहिए. जिस मिल्कशेक को हम अपनी आरामदायक कुर्सी पर बैठकर मज़े से पीते हैं वह असल में हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है.

आयुर्वेद में यह मिल्कशेक आपको गैस की समस्या के साथ आपकी लाइफ बैलेंस यानी दोष (वात, पित, कफ़) को डिस्टर्ब कर सकता है. खट्टे फल जैसे केला, आम, तरबूज, खरबूजा आदि को दूध और दही के साथ नहीं फेंटना चाहिए.

खासकर बनाना शेक और फ्रूट स्मूदी आपकी सेहत के लिए ज्यादा हानिकारक साबित हो सकते हैं. क्यों केले और दूध को एक साथ नहीं फेंटना चाहिए? इसके पीछे एक मज़बूत तर्क ये है कि केले को जब हम दूध के साथ ब्लैंड करते हैं, तो केला हमारे पेट में जाकर अग्नि (यानि गैस) में बदलता है, जो शरीर में टॉक्सिन रिलीज़ करता है. इससे साइनस, जुखाम, खांसी, एलर्जी और रैश की दिक्कतें हो सकती हैं. दूध और फल, हमारे शरीर के लिए दो ऐसे अलग पोषक तत्व हैं, जिन्हें अगर अलग-अलग सेवन में लाया जाए तो शरीर को काफी ताकत मिलेगी. वहीं अगर इन्हें एक साथ सेवन में लाया जाए तो शरीर में एनर्जी तो रिलीज़ होगी लेकिन उतनी एनर्जी हमारा शरीर उपयोग नहीं कर पाएगा. इसके बाद यह एनर्जी, फैट सेल्स में बदलकर शरीर को वेट गेन की ओर लेकर जाएगी. इन दोनों ही चीजों को अगर आप एक साथ सेवन में लाते हैं तो इससे कफ़ दोष पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा. कफ़ दोष वाले लोगों को इसके सेवन करने से बचना चाहिए. अगली बार जब भी आप मिल्कशेक बनाकर अपनी वही उसी आरामदायक कुर्सी पर बैठें तो खट्टे फल न चुनें बल्कि

Scanned by CamScanner

संभागायुक्त ने 20 करोड़ के घोटाले के मामले में मुख्य अभियंता से मांगा तथ्यात्मक प्रतिवेदन

सतना,। बीते एक साल में भ्रष्टाचार व अनियमितताओं के मामले में सुर्खियों में रहे लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की मुसीबत थमती नजर नहीं आ रही है। विधानसभा में करोड़ों का घोटाला गूंजने व रीवा परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता द्वारा 20 करोड़ के घोटाले को स्वीकार करने के बाद अब संभागायुक्त ने मुख्य अभियंता से तथ्यात्मक प्रतिवेदन मांगा है। कार्रवाई के साथ मांगे ए तथ्यात्मक प्रतिवेदन के बाद सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया जिला स्थित लोक निर्माण विभाग कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों में खलबली मच गई है। इधर हवाई पट्टी निर्माण में हुए भ्रष्टाचार के मामले में ठेकेदार का लायसेंस निलंबित करने के साथ ही एयरस्ट्रिप के मरम्मतीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले में भी कार्यपालन यंत्री, एसडीओ व उपयंत्री की गर्दन फंसी हुई है। गा. रतलब है कि इन मामलों को मऊगंज विधायक प्रदीप पटैल, मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी व चित्रकूट विधायक नीलांशु चतुर्वेदी ने विधानसभा में उठाया था। विधानसभा में इस माले की गूंज के बाद संभाग के लोक निर्माण विभाग कार्यालयों में निर्माण व मेंटिनेंस कार्यों में हुए करोड़ों के मामले की तस्वीर उस वक्त बदल गई जब रीवा परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता एमके नायक ने आठ मार्च को प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल को प्रेषित पत्र क्रमांक 5225/स्था. /ध्यानाकर्षण/2021-22 जारी करते हुए स्वीकार किया कि प्रभारी अधीक्षण यंत्री चौके झा द्वारा वर्ष 2015-16 से 2021-22 तक लगभग 20.20 करोड़ के भुगतान में अनियमितता बरती गई है। नियम विरुद्ध व अधिकार क्षेत्र में न होते हुए भी यह भुगतान जेसीबी, ट्रैक्टर ट्राली, डंपर, रोलर, ग्रेडर जैसी मशीनरियों के किराए की आड़ में भुगतान की गई। मुख्य अभियंता ने चौके झा के आचरण को मप्र सिविल सेवा नियम 1965 के आचरण अनुशासन नियम तीन का सपष्ट उल्लंघन एवं कार्य विभाग मैन्युअल द्वारा प्रदत्त शक्तियों के परिशिष्ट 1.24 के प्रतिकूल मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इस मामले को संजदीगी से लेते हुए कार्यालय कमिश्नर रीवा संभाग से मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग को जारी पत्र क्रमांक एक/शिका/एफ-01/2022 जारी कर 15 दिवस के भीतर अभिमत सहित तथ्यात्मक प्रतिवेदन मांगा था, जो अब तक नहीं दिया गया है। आर्थिक अनियमितताओं में घिरे अधीक्षण यंत्री चौके झा के मामले में आखिर कमिश्नर के निर्देश के बावजूद आखिर तथ्यात्मक प्रतिवेदन क्यें नहीं दिया जा रहा है। बताया जाता है कि इस मामले में रीवा परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता पर भारी दबाव है क्योंकि यह मामला केवल अधीक्षण यंत्री चौके झा का नहीं है बल्कि इससे सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली व उमरिया जिले में वर्ष 2016 से 2021 के बीच पदस्थ अधिकारियों की गर्दन फांस रही है। चूंकि तरीबन 50 करोड़ की धांधली के लगाए गए आरोपों में से 20.50 करोड़ के आरोप को मुख्य अभियंता ने स्वीकार किया है ऐसे में करोड़ों की राशि का गोलमाल करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। बैठक के दौरान मुख्य अभियंता ने उच्चाधिकारियों को इस बात से अवगत कराया कि ठेकेदार के पंजीयन निलंबन के साथ-साथ कार्यपालन यंत्री, अनुविभागीय अधिकारी एवं उपयंत्री के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई पृथक से प्रचलन में है लेकिन तत्कालीन कार्यपालन यंत्री चौके विश्वपकर्मा सेवानिवृत्त हो चुके हैं तो इसी मामले में एक अन्य आरोपी उपयंत्री एके निगम इस मामले में निलंबित होकर बहाल हो चुके हैं। अब केवल अनुविभागीय अधिकारी बृजेश सिंह ही ऐसे हैं जिन पर कार्रवाई नहीं हुई है। सवाल यह है कि क्या विभाग संविदाकार व संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई आर्थिक अनियमितताओं पर एक्शन लेकर इनमें खुर्द-बुर्द की गई राशि बरामद कर पाएगा? मार्च को जारी पत्र में कार्य की गुणवत्ता ठीक न होने के आरोप प्रमाणित होने के बाद यह कार्रवाई की है। इस कार. वाई से एक बड़ा सवाल यह भी उठ खड़ा हुआ है कि संविदाकार पर तो कार्रवाई की गई है लेकिन उन अधिकारियों पर क्या जिन्होंने कमीशन की फसल काटी और विभाग को लाखों रुपए खुर्द-बुर्द कर दिए। हवाई पट्टी में हुए भ्रष्टाचार का मामला बड़ा रोचक है। बीते दिनों 13 अप्रैल को बैठक हुई जिसमें प्रमुख सचिव लोक निर्माण भोपाल नीरज मंडलोई, प्रमुख अभियंता पीडब्ल्यूडी भोपाल नरेंद्र कुमार, अध ीक्षण यंत्री भोपाल एन सिद्दीकी, कार्यपालन यंत्री सतना मनोज कुमार द्विवेदी व संविदाकार स्वप्निल सिंह के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि ठेकेदार स्वप्निल सिंह को 18 नवम्बर 2019 को 427.41 लाख का कांट्रेक्ट दिया गया जिसे छह माह यानि 20 मई 2020 को पूरा करना था। करारनामे के क्लाज 18 के अनुसार कार्य की डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड पाँच वर्ष निर्धारित की गई थी। बैठक में संविदक. ार की ओर से पक्ष रखा गया कि चौथे रनिंग बिल के अंतिम देयक 63.29 लाख रुपए का भुगतान विभाग द्वारा रोक दिया गया जिसके चलते सड़क्षवदाकार डिफैक्ट लायबिलिटी का दायित्व निर्वहन नहीं कर सका। बैठक में यह तथ्य सामने आने पर उच्चाधिकारियों ने अंतिम देयक के भुगतान को करने के निर्देश देते हुए संविदाकार को चेताया कि पंजीयन भले ही निलंबित हो गया है लेकिन अंतिम देयक के स्वत्व हासिल होते ही पांच वर्ष की अवधि तक मेंटीनेंस का काम संविदा कम्पनी को देखना होगा। ऐसा न करने पर संविदाकार पर कठोर कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा। कई जांच रिपोर्टों के आधार पर उच्चाधिकारियों ने माना है कि हवाई पट्टी की निर्माण बेहद घटिया किस्म का किया गया है। जिसके चलते रनवे एवं अन्य भागों का 60 से 70 फीसदी क्षरण हुआ है। घटिया निर्माण के चलते हवाई पट्टी की चौड़ासिटी बढ़ी है जिससे हवाई पट्टी बारिश का खूब पानी पीकर भीतर ही भीतर क्षारित हो रही है जो वायु सेना के लिए बेहद खतरनाक है। अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि संविदाकार गारंटी एवं सिक्योरिटी डिपो. जिट मद में संविदाकार को 71.47 लाख रुपए में से परफारमेंस गारंटी, अतिरिक्त परफारमेंस गारंटी एवं सिक्योरिटी डिपो. जिट मद में संविदाकार को 71.47 लाख रुपए जमा करा शेष राशि का भुगतान किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि संविदाकार 19 मई 2025 तक हवाई पट्टी के मेंटीनेंस का कार्य करेगा।

रबी विपणन सत्र 2022-23 में अब तक 11 राज्यों से 161.95 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया

नई दिल्ली । रबी विपणन सत्र 2022-23 के लिए केंद्रीय पूल के तहत गेहूं की खरीद मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों में की जा रही है। दिनांक 01.05.2022 तक 161.95 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है, जिससे 14.70 लाख किसानों को 32,633.71 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त हुआ है। खरीफ विपणन सत्र 2021-22 के अंतर्गत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से केंद्रीय पूल के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद सुचारू रूप से की जा रही है। खरीफ विपणन सत्र 2021-22 में 01.05.2022 तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 760.94 लाख मीट्रिक टन धान (खरीफ फसल का 751.49 लाख मीट्रिक टन और रबी फसल का 9.45 लाख मीट्रिक टन इसमें शामिल है) की खरीद की जा चुकी है। अब तक लगभग 109.58 लाख किसान 1,49,144.23 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य से लाभान्वित हो चुके हैं।

नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू किया

नई दिल्ली । नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (एनओएआर) ने 1 मई 2022 से सफ. लतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है। एनओएआर को एक एकीकृत सिंगल विंडो इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जो अल्पकालिक खुली पहुंच वाली एप्लीकेशन की इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग के लिए ओपन एक्सेस प्रतिभागियों, व्यापारियों, पावर एक्सचेंजों, राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य लोड डिस्पैच केन्द्रों सहित सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध है। इसके कारण अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली में अल्पकालिक खुली पहुंच की व्यवस्था को स्वचालित किया जा सकता है।

एनओएआर प्लेटफॉर्म आरएलडीसी या एसएलडीसी द्वारा जारी स्थायी मंजूरी और खुली पहुंच वाले ग्राहकों को अल्पका. लिक खुली पहुंच प्रदान करने तथा हितधारकों को इस तरह की सूचनाएं उपलब्ध कराने सहित अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन में अल्पकालिक ओपन एक्सेस से जुड़ी सूचनाओं के भंडार के रूप में कार्य करेगा। हितधारकों को ऑनलाइन भुगतान करने के लिए प्रदान किया गया भुगतान मार्ग और एनओएआर के साथ एकीकृत वित्तीय लेखांकन और अल. पकालिक ओपन एक्सेस लेनदेन पर नजर रखने की सुविधा प्रदान करेगा। पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (पोस्को) द्वारा संचालित नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर (एनएलडीसी) को एनओएआर के कार्यान्वयन और संच. ालन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। एनओएआर बि. जली बाजारों की तेजी से सुविधा और ग्रिड में अक्षय ऊर्जा (आरई) के एकीकरण को सक्षम करने में महत्वपूर्ण होगा। एनओएआर अल्पकालिक बिजली बाजार तक आसान और तेज पहुंच के साथ खुली पहुंच वाले उपभोक्ता द्वारा निर्बाध बाजार भागीदारी को सक्षम करेगा, जिसमें अखिल भारतीय मांग का लगभग 10 प्रतिशत शामिल है।एनओएआर विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की पहल का हिस्सा है और सीईआरसी ने आवश्यक नियामक ढांचे को अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन में खुली पहुंच के 5वें संशोधन नियम के संचालन के माध्यम से अधिसूचित किया है।

तीन दिवसीय स्वास्थ्य चिंतन शिविर की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया 5 से 7 मई, 2022 तक गुजरात के केवडिया में स्वास्थ्य चिंतन शिविर के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद (सीसीएचएफडब्ल्यू) के 14वें सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। यह परिषद स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का एक शीर्ष परामर्शदात्री निकाय है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्रों से संबंधित नीतियों व कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की समीक्षा और आम लोगों के लाभ के लिए इन नीतियों/कार्यक्रमों के बेहतर कार्यान्वयन के तरीकों और साधनों की सिफारिश करना है।

इस सम्मेलन में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नीति आयोग, उद्योग मंचों, स्टार्टअप्स और अकादमिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित वक्ताओं व विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा होगी। साथ ही, हितधारकों के साथ संवादात्मक सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में नीतियों और कार्यक्रमों को समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए एक सहभागी दृष्टिकोण विकसित करने की दृष्टि से हितधारकों के साथ विस्तृत संवाद स्थापित करने के लिए सत्रों की योजना बनाई गई है। इसके सत्र कई विषय वस्तुओं पर केंद्रित होंगे। इनमें सभी के लिए सस्ता, सुलभ और एकसमान स्वास्थ्य सेवा, भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए भारत को तैयार करना, भारत में रोगमुक्त व भारत की ओर से रोगमुक्त, स्वस्थ भारत के लिए एक रोडमैप तैयार करना, स्वास्थ्य क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा करना और स्वस्थ राज्य, स्वस्थ राष्ट्र की अ

नवनीत राणा और विधायक पति को नहीं मिल पाई बेल, दो दिन और काटनी होगी जेल

मुंबई । मुंबई की सत्र न्यायालय ने सा. मवार को सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की जमानत याचिका को बुधवार तक के लिए टाल दिया है। राणा दंपत्ति को अगले दो दिन जेल में ही बिताने होंगे। राणा दंपत्ति पर दो समुदायों के बीच नफरत पैदा करने जैसे कई आरोप हैं। नवनीत राणा और उनके पति पर मातोश्री के सामने हन. मान चालीसा पढने का ऐलान कर रा. जनीति करने का आरोप है। आरोप है कि राणा दंपत्ति ने ये ऐलान इसलिए किया ताकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को हिंदुत्व की याद दिला सकें। सांसद नवनीत राणा फिलहाल भायखला स्थित महिला जेल में बंद हैं जबकि उनके विधायक पति

को नवी मुंबई स्थित तलोजा जेल में रखा गया है। राणा दंपत्ति की तरफ से कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकील अबद पोंडा और रिजवान मर्चेंट ने कोर्ट में पुलिस के दावों के खिलाफ दलील रखी कि उनके क्लाइंट की नफरत फैलाने की कोई मंशा नहीं थी। उन्हा. ंने कहा कि हर नागरिक को शांति. प्रिय ढंग से सरकार के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा पढने से हिंसा भड़कने की कोई उम्मीद ही नहीं थी। पुलिस शिकायत का जिक्र करते हुए बचाव पक्ष ने कहा कि उनके क्लाइंट मातोश्री के सामने बिना अपने समर्थकों के साथ अकेले ही हनुमान चालीसा पढना चाहते थे। सरकार के खिलाफ हिंसा भड़काने की बात उनके सपनों में भी कभी नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ जमानत का विरोध कर रही पुलिस की तरफ से दलील दी गई कि राणा दंपत्ति ने धर्म के नाम पर हिंसा भड़काने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि इस बहाने राज्य में कानून- व्यवस्था बिगा. ड़कर राज्य की महा विकास अंगाड़ी सरकार को गिराने की साजिश रची गई थी।

Scanned by CamScanner

भाई से तुलना होने पर खुश हो गई ईशा देओल, कहा- बधाई देती हूं

ईशा देओल एक बेहतरीन अदाकारा हैं और अपने काम से उन्होंने सभी का दिल जीता है। हालांकि उनकी अधि[illegible] फिल्में फ्लॉप रहीं हैं लेकिन सभी जानते ही होंगे [illegible] उन्हें खूब पसंद किया जाता है। अब [illegible] कलास लगा दी। जी दरअसल बॉलीवुड के कई कलाकार अक्सर ऑनस्क्रीन इन ट्रोलिंग का शिकार होते हैं। आप [illegible] लोग उन्हें कई कारणों से ट्रोल करते हैं। वहीं कई बार भी ऐसा हुआ है। जी दरअसल ईशा देओल को एक पैपराजी ने एक्शन सीन करने के बाद शूट किया था और इस दौरान वह काफी थकी हुई नजर आ रही थी। उसके बाद उनकी तस्वीर और वीडियो काफी वायरल हुई, हालांकि कई लोगों ने बॉबी देओल से उनकी तुलना करना शुरू कर दी और इसके बाद वह [illegible] हो गई।

हाल ही में [illegible] ट्रोल किया गया। [illegible] लोग ट्रोलर्स को प्रतिक्रिया [illegible] हैं [illegible] दे रहे हैं। [illegible] है और उनकी अब हाल ही में ईशा देओल के साथ [illegible]

ऐसे में ट्रोल होने के बाद ईशा देओल ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, [illegible] मेरी आगामी फिल्म के एक्शन सीन की शूटिंग करने के बाद मैं मेरी [illegible] के पास जा रही थी। इस दौरान मेरी वीडियो बना ली गई। इसके बाद मैंने देखा, मेरे वीडियोज वायरल हो रहे हैं और मेरे लुक के लिए मुझे ट्रोल किया जा रहा है। [illegible] एक्शन सीन करने के दौरान [illegible] रही थी। इसके [illegible] खराब हो गए थे और हां, अगर मैं मेरे भाई बॉबी देओल की तरह दिखती हूं, तो मैं आपको [illegible] के लिए बधाई देती हूं। [illegible] ईशा देओल [illegible] आई थीं।

रश्मिका के बाद इस साउथ एक्ट्रेस संग जमेगी विक्की कौशल की जोड़ी

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े और एक्टर विक्की कौशल को आप सभी एक साथ देखने वाले हैं। विक्की [illegible] बाद से लगातार [illegible] है और [illegible]

[illegible] एक के बाद एक कई फिल्मों में देखा जा रहा है। अब जल्द ही विक्की पूजा [illegible] नए प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं। [illegible] विक्की [illegible] और पूजा [illegible] सोशल मीडिया [illegible] गई है [illegible] सकते हैं।

[illegible] रहा है [illegible] प्रोजेक्ट पर [illegible]

रहे हैं और इसकी शूटिंग [illegible] हुए हैं। [illegible] पूजा हेगड़े कई [illegible] कर चुकी हैं और विक्की [illegible] मैं [illegible] नहीं है। वह रश्मिका [illegible] एक बार [illegible] हैं और पूजा के बारे में बात करें तो हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड में [illegible] अमिताभ बच्चन के साथ [illegible] किया।

वहीं काम के बारे में बात करें तो उनके पास राम चरण की फिल्म आचार्य, सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दीवाली, रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस और महेश बाबू की [illegible] जैसे शानदार प्रोजेक्ट हैं। वहीं दूसरी तरफ विक्की के काम की बात करें तो उनके पास [illegible] और [illegible] की फिल्म [illegible] अभी तय नहीं किया गया है। वैसे [illegible] का एक साथ [illegible] होने वाला है।

सिल्वर थाई-स्लिट ड्रेस में बॉयफ्रेंड का हाथ थामे नजर आई किम

हॉलीवुड [illegible] किम कार्दशियन अपने [illegible] फैशन सेंस के लिए खूब पहचानी जाती हैं। [illegible] सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं [illegible] हाल ही में किम ने कार्दशियन [illegible] तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं, जिसमें वह [illegible] दिखाई दे रही हैं। उनकी यह तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही चर्चा का विषय बन चुकी हैं।

लुक के बारे में बात करें [illegible] फोटोज में किम कार्दशियन [illegible] सिल्वर [illegible] लग रही हैं [illegible] के साथ [illegible] पहन रखी हैं। [illegible] अपने लुक को पूरा कर रखा है। [illegible] लुक को पूरा करते हुए [illegible] किसी की [illegible] बना रहा है। [illegible] करते हुए किम [illegible] बॉयफ्रेंड का हाथ थामे [illegible] हुई दिखाई दे रही हैं। [illegible] फोटोज पर खूब [illegible] हैं और [illegible] अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

रमजान के महीने में नोरा ने पहनी ऐसी ड्रेस कि हो गई ट्रोल

नोरा फतेही को हर कोई पसंद करता है और उन्होंने अपने अभिनय से ही नहीं बल्कि अपने डांस से भी सभी का दिल जीता है। आज के समय में फिल्मी पर्दे पर हों, टीवी में या फिर इंस्टा पर, हर तरफ उनके ही उनके चर्चे हो रहे हैं। वैसे एक्ट्रेस का फैशन सभी के मन को भाता है और नोरा अपने डांस मूव्स के अलावा अपने फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। अब हाल ही में अभिनेत्री नोरा फतेही का एक वीडियो सामने आया है जिसमें कुछ लोग उनके कपड़ों पर आपत्ति जता रहे हैं।

जी हाँ और इसी के चलते अब नोरा को बुरी तरह से ट्रोल किया जाने लगा। जी दरअसल, नोरा फतेही को रिवीलिंग ड्रेस पहनने को लेकर ट्रोल किया जाने लगा। आप सभी देख सकते हैं एक्ट्रेस नोरा का एक वीडियो सामने आया जिसमें वह एयरपोर्ट में देखी गई। जी हाँ और इस दौरान एक्ट्रेस नोरा का एयरपोर्ट लुक काफी क्लासी था, हालाँकि लोगों को उनका ये क्लासी लुक पसंद नहीं आया। जी हाँ और इस दौरान यह कहते हुए नोरा को लैश-आउट किया गया कि 'रमजान' के महीने में वह रिवीलिंग कपड़े पहन रही हैं। आप सभी को बता दें कि 'साकी-साकी' गर्ल एयरपोर्ट पर [illegible] स्कर्ट और [illegible] ब्लाउज पहने दिखाई दीं। जी हाँ और एक्ट्रेस ने इस [illegible] लुक को खुले बालों और सन ग्लासेस के साथ कैरी किया था।

रमजान का महीना है और इसी के चलते नोरा को उनके आउट-फिट के लिए लोग [illegible] आए, एक यूजर ने लिखा- 'क्या ये मुस्लिम नहीं है?' तो किसी ने लिखा- 'अरे ये रमजान का महीना चल रहा है ना, नोरा फतेही जानती हैं?' इसी के साथ एक अन्य यूजर ने लिखा- शर्म करो शर्म। वहीं किसी ने बोला- 'शाम में [illegible] कौन लगाता है भाई।' काम के बारे में बात करें तो इन दिनों अदाकारा पॉपुलर [illegible] 'डांस दीवाने जूनियर्स' जज कर रही हैं।

रिलीज हुआ शाबाश मिथू का नया पोस्टर

तापसी पन्नू स्टारर फिल्म 'शाबाश मिथू' जल्द रिलीज होने वाली है और अब इस फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है। इस नए पोस्टर को आप यहाँ देख सकते हैं। जी दरअसल इस पोस्टर में तापसी [illegible] हाथ में लिए क्रिकेट की पिच के बीचों-बीच [illegible] करती दिख रही हैं। आप देख सकते हैं तापसी के पोस्टर में उनका [illegible] शानदार लग रहा है। जी हाँ और अपने इस पोस्टर को खुद तापसी पन्नू ने अपने इंस्टा अकाउंट से शेयर किया है।

जी दरअसल, ये फिल्म क्रिकेटर मिताली राज की जिंदगी पर आधारित है, जिसमें उनकी जिंदगी से जुड़ी तमाम अनसुनी कहानी और किस्से जानने को मिलेंगे। वहीं खुद मिताली ने भी तापसी की फिल्म के इस पोस्टर को अपने इंस्टा अकाउंट से शेयर किया है।

आप सभी देख सकते हैं तापसी ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- सपने देखने वाली लड़की और उन्हें हकीकत में बदलने वाली लड़की से ज्यादा शक्तिशाली और कोई नहीं हो सकता। यह कहानी एक ऐसी ही लड़की की है। जो अपने सपनों के पीछे लगातार भागती रही है, चलने के साथ इस 'जेंटलमेन गेम' में'। वैसे आप सभी को बता दें कि शाबाश मिथू आने वाले 15 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के लिए तापसी ने काफी मेहनत की है और उन्हें उम्मीद है उनकी मेहनत रंग लाएगी।

एक्सीडेंट के बाद मलाइका ने शेयर की तस्वीर, माथे पर दिखे निशान

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा 2 अप्रैल को एक्सीडेंट हुआ था। इसके बाद एक्ट्रेस को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अब एक्ट्रेस बिलकुल ठीक और काम पर वापस आ चुकी हैं। अभिनेत्री ने एक्सीडेंट के बुरे अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा भी किया था। अब मलाइका ने एक फोटो साझा की है, इसमें अभिनेत्री को एक्सीडेंट के दौरान लगी चोट साफ दिखाई दे रही है। तस्वीर में मलाइका कार में बैठी हुई दिखाई दे रही है। अभिनेत्री ने [illegible] छोड़ा हुआ है और काला चश्मा पहना हुआ है। एक्ट्रेस [illegible] पीती हुई नजर आ रही है। अभिनेत्री के माथे पर आइब्रो के मध्य लगी चोट का निशान साफ दिखाई आ रहा है।

बॉयफ्रेंड संग विवाह के बंधन में बंधी मैथिली

[illegible] अभिनेत्री मैथिली 24 अप्रैल, 2022 को अपने [illegible] बॉयफ्रेंड [illegible] संग विवाह के बंधन में बंध चुकी हैं। कपल की शादी [illegible] मंदिर में संपन्न हुई, जहाँ से दोनों की वेडिंग फोटोज इंटरनेट पर खूब चर्चाओं में बनी हुई हैं।

फोटोज में देखा जा सकता मैथिली अपनी शादी में सुनहरी और [illegible] साड़ी में बहुत खूबसूरत दिख रही हैं। इस लुक को अभिनेत्री ने [illegible] चूड़ियों और साड़ी में [illegible] के साथ पूरा कर रखा है। वहीं इनके दूल्हे भी [illegible] और धोती में परफेक्ट दूल्हे दिखाई दे रहे हैं। विवाह में कपल ने [illegible] की [illegible] जिसमें उनकी खूबसूरती में [illegible] लग गए।

हत्या के प्रयास का वारंटी गिरफ्तार

रुड़की। नारसनकलां गांव में 2014 में हत्या के प्रयास सहित क्रिमिनल ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में गिरफ्तार किए गये आरोपी जगपाल पुत्र कबूल निवासी नारसन कलां को न्यायालय से जमानत मिल गई थी। लेकिन वह लगातार न्यायालय से अनुपस्थित चल रहा था। जिसके बाद न्यायालय ने आरोपी के गैर जमानती वारंट जारी किए थे। नारसन चौकी प्रभारी बृजपाल सिंह द्वारा न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। जिसे चालान करने के बाद न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

इंटरनेट ठप होने से नही बन पा रहे प्रमाणपत्र

रुड़की। लक्सर तहसील मुख्यालय में ई डिस्ट्रिक्ट विंडो पर जाति, आय और स्थायी निवास प्रमाणपत्र बनवाने के ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है। लेकिन तीन दिन से इस विंडो पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया ठप पड़ी है। आवेदन करने आए आशु वर्मा, रमेश चंद्र, राजवीर सिंह ने बताया कि वे प्रमाणपत्र बनवाने का आवेदन करने के लिए दो बार तहसील में आ चुके हैं। लेकिन ई डिस्ट्रिक्ट विंडो पर तकनीकी खराबी के कारण काम बंद है, लिखा देख दोनो बार उन्हें लौटना पड़ा है। रमन, शिवकुमार ने बताया कि जिनको नौकरी आदि के लिए प्रमाणपत्र बनवाना है, उन्हें ज्यादा दिक्कत है। यदि समय पर उनका प्रमाणपत्र नहीं बना तो वे नौकरी के लिए आवेदन करने से भी महरूम राह सकते हैं। ई डिस्ट्रिक्ट विंडो के प्रभारी विजयपाल रस्तोगी ने बताया कि तहसील में रोज बीस से तीस आवेदन होते हैं। इसके लिए बीएसएनएल का इंटरनेट इस्तेमाल होता है। दो दिन पहले बीएसएनएल के भूमिगत तार कटने की वजह से नेट बंद है इसी कारण नए प्रमाणपत्र के आवेदन नहीं हो रहे हैं। साथ ही पुराने आवेदन की प्रक्रिया भी आगे नही बढ़ पा रही है। बताया कि बीएसएनएल के अधिकारी चौबीस घंटे में सेवा सुचारु करने की बात कह रहे हैं।

स्कूल के पास बिजली पोल में आग लगी

रुड़की। एक घंटे के भीतर शहर में दो जगह आग लग गई। अग्निशमन कर्मचारियों ने दोनों ही जगहों की आग पर जल्द काबू पा लिया। आवास विकास कॉलोनी में स्कूल के पास एक बिजली पोल में आग लगने से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। सूचना पर अग्निशमन टीम ने मौके पर जाकर स्कूल स्टाफ व अन्य लोगों को वहां से दूर कर आग पर काबू पाया। इसके बाद अग्निशमन की टीम वापस स्टेशन पहुंची। बाद में सालियर के कूड़ा डंपिंग जोन में आग लगने की सूचना मिली। बताया गया कि आग तेजी से बढ़ रही है। इससे आसपास के क्षेत्र को भी नुकसान की आशंका है। इसके अलावा खाद कारखाना भी डंपिंग जोन के पास है। वहां मौजूद लोगों ने आग को बुझाने का प्रयास किया है लेकिन आग पर वह काबू नहीं पा सके। इसके बाद अग्निशमन की टीम ने मौके पर जाकर आग पर काबू पा लिया। टीम में भरत सिंह भंडारी, विपिन सिंह तोमर, राकेश गौड़, हरिश्चंद्र, विपिन कुमार सैनी शामिल रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रुड़की। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक युवक ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद रोहित पुत्र मेवाराम के खिलाफ पोक्सो में मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया है। एसओ पीडी भट्ट ने बताया कि नाबालिग के पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दिया गया है।

बिजली बचाओ-बिजली पाओ अभियान चलेगा

रुड़की। ऊर्जा निगम के एसडीओ मयंक पंत ने बताया कि बिजली बचाओ बिजली पाओ अभियान चला कर उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाएगा। कहा कि आज पूरा प्रदेश बिजली संकट से जूझ रहा है। इसके समाधान के लिए निगम लगातार कोशिश कर रहा है। ऐसे में सभी नागरिकों का दायित्व है कि बिजली को सही तरह से इस्तेमाल किया जाए। ऐसा करने पर बिजली संकट पर काफी अंकुश लगाया जा सकता है। इस अभियान में सबसे पहले ऊर्जा निगम की टीम सभी सरकारी कार्यालयों में जाकर बिजली के सही इस्तेमाल को जागरूक करेगी। इसके बाद कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर उपभोक्ताओं को बिजली बचाने और सही इस्तेमाल को जागरूक करेगी।

युवाओं को एडस के प्रति जागरूक किया

रुड़की। राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सोमवार को आयोजित शिविर डा. पुष्पांजलि के नेतृत्व में संचालित किया गया। राज्य एड्स नियंत्रण समिति से आए वीर सिंह ने छात्राओं को एड्स फैलने के चार प्रमुख कारणों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सबसे अधिक यह बीमारी साझा नशीले इंजेक्शन के प्रयोग से युवाओं में फैल रही है। इसलिए युवा वर्ग को जागृत करना बेहद जरूरी है। महाविद्यालय की निदेशक डा सिंह ने कहा बीमारी से बचाव के लिए इस प्रकार के शिविर होने चाहिए। प्राचार्या डॉ. अमिता श्रीवास्तव भी जागरूकता पर जोर दिया। डॉ. पुष्पांजलि ने एड्स के प्रति दूसरों को भी जागृत करने के लिए स्वयंसेवी छात्राओं को शपथ दिलाई। इस दौरान डॉ. अनुपमा वर्मा, डॉ. कोमल, डॉ. आएशा, डॉ. विजय लक्ष्मी, सीमा पांडे, वंदना, अतिया रहमान, विदुषी त्यागी, विधि, साक्षी जैन, अर्चना, आरती, आकृति, अंकन पाल, निकिता सैनी आदि मौजूद रहे।

सनातन धर्म का प्रमुख पर्व है अक्षय तृतीया-पंडित अधीर कौशिक

हरिद्वार। श्री अखण्ड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने सभी को अक्षय तृतीया की बधाई दी। बधाई देते हुए पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि सनातन धर्म में वैशाख मास का काफी महत्व है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। इसी दिन परशुराम जयंती भी मनाई जाती है। अक्षय तृतीया का पर्व बेहद शुभ और सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दिन स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध और अनुष्ठान का बहुत महत्व है। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का अवतार अक्षय तृतीया को ही हुआ था। इसलिए इस दिन को परशुराम अवतरण दिवस के रूप में भी मनाते हैं। पौराणिक मान्यता है कि भंडार और रसोई की देवी माता अन्नपूर्णा का जन्म भी अक्षय तृतीया के दिन हुआ था। अक्षय तृतीया को मां अन्नपूर्णा की भी पूजा की जाती है। मां अन्नपूर्णा के प्रसन्न हो जाने पर कभी भी अन्न के भंडार खाली नहीं रहते। संपन्ना और खुशहाली रहती है। अक्षय तृतीया को ही भगवान श्रीकृष्ण के बाल सखा सुदामा की मुलाकात श्रीकृष्ण से हुई थी। अक्षय तृतीया को भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को अक्षय पात्र प्रदान किया था। राजा भगीरथ की हजारों साल की तपस्या के बाद अक्षय तृतीया को ही गंगा पृथ्वी पर आयी थी और राजा भग. ीरथ के पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि अक्षय तृतीया पर दान करने वाले व्यक्ति को वैकुंठ धाम में जगह मिलती है, इसलिए इसे दान का महापर्व माना गया है। इस दिन गंगा स्नान करके जौ का दान अवश्य करना चाहिए। इससे मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। अक्षय तृतीया पर कलश का दान व पूजन अक्षय फल प्रदान करता है। जल से भरे कलश को मंदिर या किसी जरूरतमंद को दान करने से ब्रह्मा, विष्णु और महेश की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही पितरों को भी अक्षय तृप्ति प्राप्त होती है और नवग्रह की शांति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन श्रीरामचरित मानस का पाठ करना

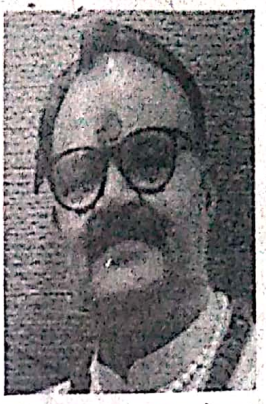

चाहिए। साथ ही भगवान विष्णु के दसाव. तार की कथा का पाठ करना चाहिए। पाठ करने से ऋषियों और महान संतों के दर्शन का फल मिलता है। अक्षय तृतीया पर तुलसी की जड़ को दूध से सींचे। भगवान विष्णु की पूजा को तुलसी पत्र के बिना अधूरी मानी जाती है। ऐसा करने पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन ने की ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग

हरिद्वार। वरिष्ठ नागरिक सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग करते हुए संगठन की ओर से कहा गया है ध्वनि प्रदूषण के कारण जनता के स्वास्थ पर बुरा असर पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूजा स्थलों से अतिरिक्त लाउडस्पीकर हटवाकर सराहनीय कार्य किया है। इसको देखते हुए उत्तराखण्ड सरकार को ध्वनि प्रदूषण की मात्रा को न्यायालय द्वारा निर्देशित नियमों के तहत कम कराने के लिए कदम उठाने चाहिए। ताकि राज्य की जनता की श्रवण शक्ति व स्वास्थ्य पर हो रहे प्रदूषण से नुकसान को रोका जा सके। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में अनूप सिंह, सीताराम, गुलाब राय, देवीदयाल, श्यामसिंह, एमसी त्यागी, मास्टर वीरेंद्र, चौधरी चरण सिंह, आरबी शर्मा, हरदयाल अरोड़ा, सुभाषचंद, शिवचरण भास्कर, गिरधारी लाल, प्रेम भारद्वाज, एमपी काला, विद्यासागर गुप्ता, महेंद्र सिंह, केपी शर्मा, हरकिशन शर्मा, एसएस राठी, वीसी गोयल, बीएस मित्तल, पीसी धीमान, हरीशचंद आदि शामिल रहे।

मांगे मानने के आश्वासन पर सफाईकर्मियों का धरना खत्म

रुड़की। लक्सर नगरपालिका के पास स्थायी सफाई कर्मचारियों की संख्या काफी कम है। लिहाजा कस्बे में सफाई का काम ठेके पर कराया जा रहा है। रविवार को ठेका व्यवस्था में काम करने वाले अस्थायी सफाई कर्मचारी कार्य बहिष्कार कर पालि. का के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए थे। सोमवार सुबह पालिका के अध्यक्ष अंबरीश गर्ग, ईओ सुरेंद्र कुमार ने सभासद विकास खटाणा, कुलदीप मोनू, अरविंद कल्याणी, रतेंद्र तिवारी, नाथूराम शर्मा, अशोक कुमार के साथ धरने पर बैठे कर्मचारियों से वार्ता की। कर्मचारियों का कहना था कि ठेका प्रथा में उनसे महज 275 रुपये के दैनिक वेतन पर पूरे दिन काम लिया जा रहा है। कर्मचारियों की मांग थी कि सफाई के काम के लिए ठेका व्यवस्था खत्म कर आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से सरकार द्वारा तय किए गए न्यूनतम पांच सौ रुपये रोज के दैनिक वेतन पर सफाई कर्मचारी तैनात किए जाएं। इसके अलावा कर्मचारियों ने हर महीने चार अवकाश देने या अवकाश में काम करने के बदले ओवरटाइम दिहाड़ी देने की मांग भी उठाई। अध्यक्ष, ईओ व सभासदों ने उनकी मांग पर सहमति जताते हुए बोर्ड की बैठक में इसका प्रस्ताव रखकर मांगे मानने का आश्वासन दिया। इस पर कर्मचारी धरना खत्म कर काम पर लौट गए।

वार्ता में कर्मचारी कमलेश, मंजू, अल्का, सुनीता, बबली, बबीता, प्रीती, सोनू, बेबी, रीना, स्मृति, मामो, नरेशो, सिया, कविता, प्रशांत, रोहन, अनिल, रवि, आशू, मुकेश, सोनू, अमित, अंकुर, प्रताप सिंह, जगपाल, बबलू, बिट्टू, विनोद, लाखन, सावन, सागर, पंकज, प्रदीप, सतीश, कुलदीप, रोशन, विकास, शुभम, शिवम, प्रवीण, रणधीर मौजूद थे।

प्रतिबंधित मांस के साथ तीन गिरफ्तार, चार फरार

रुड़की। पुलिस ने बंदरजूड़ में साठ किलो प्रतिबंधित मांस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली की बंदरजूड़ गांव में कुछ लोग प्रतिबंधित मांस लेकर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने आबिद पुत्र नवाब निवासी लालवाला मजबता थाना बुग्गावाला को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने बताया कि बरामद मांस अपने ही गांव के मो. हसन उर्फ सत्तार पुत्र सद्दीक से खरीदा था। जिसके बाद मोहल्द उर्फ सत्तार पुत्र सद्दीक निवासी लालवाला मजबता थाना बुग्गावाला को बन्दरजूड़ पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। बचे हुए आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं, अमानतगढ़ सोनाली नदी के पास आसकिन पुत्र फैजान निवासी अमानतगढ़ थाना बुग्गावाला को 100 किलो प्रतिबंधि त मांस और गोकसी के उपकरणों सहित गिरफ्तार किया गया है। आसकिन ने बताया गया कि इरफान एवं शैबान पुत्रगण शेर अली निवासी अमानतगढ़ के साथ मिलकर गोकसी की घटना की गई है। फरार अभियुक्तों की तलाश की जा रही है। पुलिस टीम में एसओ पीडी भट्ट, उपनिरीक्षक मनोज नौटियाल, उपनिरीक्षक कुलेन्द्र सिंह रावत, कांस्टेबल सन्दीप कुमार, बृजेश कुमार, हरि सिंह, विजय सिंह, विनोद कुमार, अखिलेश तिवारी शामिल थे।

Scanned by CamScanner

नंदासैंण में हुई विहिप की बैठक

चमोली। नंदासैंण में आयोजित विहिप की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रताप लूथरा ने कहा कि क्षेत्र के कई गांवों में गैर हिंदू गतिविधियां हो रही हैं। जिन्हें लेकर लोगों को सचेत किया जाना चाहिए। वहीं नौटी क्षेत्र में एक धर्म विशेष का धार्मिक स्थल बन रहा है। जबकि लाउडस्पीकर का प्रयोग प्रतिबंध के बावजूद किया जा रहा है। बैठक के बाद विहिप ने मामले में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष चिंतामणि सेमवाल, भाष्कर सेमवाल, पुरूषोत्तम कोठियाल, राजेंद्र भंडारी आदि मौजूद थे।

राज्यपाल ने किए भगवान गोपीनाथ के दर्शन

चमोली। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने भगवान गोपीनाथ शिव शंकर के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। सोमवार को महामहिम राज्यपाल चमोली जिले के मुख्यालय गोपेश्वर पहुंचे। यहां उन्होंने जिले के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद भगवान गोपीनाथ के दर्शन किये। राज्यपाल के मंदिर में पहुंचने पर मंदिर समिति से जुड़े प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल का स्वागत अभिनन्दन किया। राज्यपाल ने भगवान गोपीनाथ शिव शंकर की विधिवत पूजा अर्चना की। दर्शन पूजन के दौरान राज्यपाल ने ध्यानास्थ होकर भगवान की पूजा अर्चना की। इस मौके पर मंदिर समिति व भारतीय पुरातत्व विभाग के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर गोपीनाथ मंदिर के कुछ हिस्सों में आ रही दरार व जर्जर स्थिति जानकारी दी। समिति ने राज्यपाल से निवेदन किया कि वे पुरातत्व विभाग को मंदिर और इसके परिसर में क्षतिग्रस्त भवनों के सुधारीकरण करने के लिए निर्देशित करें। मंदिर समिति की ओर से आशुतोष भट्ट, पुजारी हरीश भट्ट, गोपीनाथ मंदिर के भंडारी ठाकुर अमित रावत, रामप्रसाद भट्ट आदि शामिल रहे। इस मौके पर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे, सयुक्त मजिस्ट्रेट अभिनव शाह आदि मौजूद थे।

विवि के वाटर कूलर और पंखे खराब होने से छात्र परेशान

श्रीनगर गढ़वाल। एचएनबी गढ़वाल केन्द्रीय विवि के चौरास परिसर में अधिकांश वाटर कूलर खराब है, जबकि पंखे भी काम नहीं कर पा रहे है। जिससे भीषण गर्मी में छात्र-छात्राओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जय हो छात्र संगठन ने डीएसडब्ल्यू प्रो. महावीर सिंह नेगी से वार्ता कर कैंपस में जल्द खराब पड़े उपकरणों को ठीक कराने की मांग की है। डीएसडब्ल्यू से वार्ता हेतु पहुंचे जय हो संगठन के सुधांशु थपलियाल, कैवल्य जखमोला, अमित बुटोला, दीपक बिष्ट, पुनीत, शिवराज ने आदि ने कहा कि कैंपस में विगत कई समय से गर्ल्स कॉमन रूम बंद पड़ा है, उसे भी जल्द खुलवाया जाए। छात्र नेता सुधांशु थपलियाल ने डीएसडब्ल्यू से परीक्षाओं के बाद विवि कैंपस में जल्द खेल गतिविधियां शुरू कराने की मांग की है। कहा कि कोविड के चलते विगत ढाई सालों से विवि में खेल गतिविधियां पूरी तरह से बंद है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विवि में तमाम विभाग है, किंतु विभागों की उदासीनता के चलते छात्रों के कैंपस से लेकर हॉस्टलों में बिजली और वाटर कूलर से जुड़ी समस्याएं निरंतर आ रही है।

लिए किए जाएं सभी इंतजाम

रुद्रप्रयाग। जिले में वनाग्नि की घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए डीएम मयूर दीक्षित ने विभिन्न विभागीय अफसरों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ताकि वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम करते हुए प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। जिलाधिकारी द्वारा आदेश जारी करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया कि जनपद में वन प्रभाग द्वारा वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए सजग रहें। कहा कि एक ओर भीषण गर्मी व तापमान में में इजाफा हो रहा है वहीं जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। समस्या के विकराल स्वरूप को देखते हुए इसके प्रभावी प्रबंधन के लिए विभागीय अफसरों की सहभागिता जरूरी है। इसके लिए उन्होंने पुलिस विभाग को स्थानीय स्तर पर प्रातः व सायं काल में नियमित रूप से गश्त करने के साथ ही सक्रिय असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

घोड़े खच्चरों का किराया बढ़ाने को डीएम से मिला शिष्टमंडल

रुद्रप्रयाग। लगातार बढ़ रही मंहगाई के बीच गौरीकुंड में घोड़ा खच्चरों के किराए में इजाफा करने के लिए एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सोनप्रयाग से लेकर गौरीकुंड और केदारनाथ तक घोड़े खच्चरों के दरों में इजाफा किया जाना जरूरी है। ताकि यात्रा से उन्हें कुछ लाभ हो सके। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित को दिए ज्ञापन में पूर्व जिला पंचायत सदस्य गोविंद सिंह रावत, पूर्व अध्यक्ष मजदूर कल्याण एसोसिएशन अवतार सिंह नेगी, गौरीकुंड के पूर्व प्रधान राकेश गोस्वामी, जिला पंचायत सदस्य गणेश तिवारी, प्रधान अरविंद राणा, सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मण सिंह आदि ने कहा कि घोड़ा-खच्चरों के लिए वर्ष 2018 के निर्धारित दरों में इजाफा किया जाए। वर्तमान में बढ़ती मंहगाई के बीच घोड़े खच्चर के साथ खर्चा वहन करना मुश्किल हो रहा है ऐसे में यात्रा मार्ग पर किराया बढ़ाने से मजदूरों को भी लाभ मिलेगा। ज्ञापन में कहा कि घोड़े खच्चरों की निर्धारित दरें बीते वर्षों से लगातार स्थाई रखी गई है, जबकि हर वस्तु का मूल्य लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान यात्रा के लिए मूल्य में वृद्धि की जानी जरूरी है। उन्होंने जिलाधिकारी से पूर्व निर्धारित दर 2300 को बढ़ाकर 3000, 1500 को बढ़ाकर 2000 करने की मांग की। साथ ही इसी तरह सोनप्रयाग से 2500 को बढ़ाकर 3200 करने की मांग की। भीमबली, लिंचौली के लिए भी इसी तरह मूल्य में वृद्धि को जाए। उन्होंने जिलाधिकारी से मजदूर हित में कार्रवाई की मांग की है।

देश व समाज की सेवा में योगदान करने वालों को सम्मानित किया

हरिद्वार। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन तथा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू महासभा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह में देश एवं समाज सेवा में योगदान करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। उत्तरी हरिद्वार स्थित एक होटल में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य श्रीमती अंजना पवार, महामंडलेश्वर स्वामी ललिता नन्दगिरी महाराज, आनंदमय साधना मां, स्वामी शिवानंद, सहकारी बैंक के अध्यक्ष दान सिंह रावत, डिप्टी एडवोकेट जनरल नैनीताल हाईकोर्ट, एन. एस.पुंडीर, आचार्य डा.सुधांशु राज, शिवालिकनगर नगर पालिका राजीव शर्मा, राज्यमंत्री अमीलाल वाल्मीकि, वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग चौम्पियन अमित छेत्री, केंद्रीय दिव्यांगता बोर्ड की सदस्य कुसुम महाजन, रेल मंत्रालय सदस्य सरिता अग्रवाल, मालदीव से संगठन के प्रतिनिधि विनो देवराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चिकित्सा, योग, मानवाधिकार, सफाई व्यवस्था में सहयोग करने वाले सफाईकर्मियों, राजनीति, आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले 250 लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक मोहित नवानी ने सम्मानित होने वाले अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा मे योगदान करने वाले लोगो से सभी को प्रेरणा मिलती है। समाजिक क्षेत्र मे सभी को अपना योगदान करना चाहिए।

दर्जनों युवाओं ने ली भैरव सेना संगठन की सदस्यता

हरिद्वार। पुल जटवाड़ा स्थित बालाजी मंदिर पर हुई भैरव सेना संगठन की बैठक में दर्जनों युवाओं ने संगठन की सदस्यता ली। बख्शी चौहान की अध्यक्षता व संजय मेहरा के संचालन में हुई बैठक में भैरव सेना संगठन के जिलाध्यक्ष चरणजीत पाहवा ने सभी को संगठन की सदस्यता प्रदान की। संगठन में शामिल हुए युवाओं का स्वागत करते हुए चरणजीत पाहवा ने कहा कि भैरव सेना संगठन समर्पण भाव से हिंदू हितों की रक्षा के लिए कार्य कर रहा है। हिंदू हितों की रक्षा के लिए जातिवादी नीतियों को समाप्त कर समाज को एकजुट होना होगा। किसी भी राजनैतिक दल या व्यक्ति को धर्म से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए किसी स्तर तक संघर्ष करना पड़े भैरव सेना संगठन पीछे नहीं हटेगा। पाहवा ने कहा कि मां गंगा का अपमान सहन नहीं किया जाएगा। धर्मनगरी को मद्य मांस मुक्त कराने के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर वार्ता की जाएगी। यदि सरकार ने उचित कदम नही उठाए तो आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। बैठक में संजय चौधरी, जैन साहब, अजीत, सत्येंद्र यादव, सागर राजपूत, विजेंद्र कुमार, धर्मवीर शर्मा, विशाल शर्मा, प्रिंस राजपूत, अमरीश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, नितिन खंडूरी, गोपाल, नरेंद्र, मोहित, विशाल गुप्ता, विशाल शर्मा, अरविंद कुमार प्रजापति, संजय कुमार, गगन शर्मा, पंकज मिगलानी, अरविंद बजरंगी, अनिल सैनी, भीम सिंह, मुकेश, बबलू, गुलशन कुमार, अशोक, सूरज, पोपीन, जेएस राणा, विक्की चौहान आदि मौजूद रहे।

सैनिक परिवार की भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पौड़ी। श्रीनगर के स्वीत गांव के एक सैनिक परिवार ने भूमाफिया पर उनकी जमीन कब्जाने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने डीएम से मुलाकात कर न्याय दिलाने की मांग को है। मंगलवार को श्रीनगर के स्वीत गांव की आशा रावत और लक्ष्मी रावत ने डीएम पौड़ी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डीएम को बताया कि क्षेत्र के एक भूमाफिया द्वारा उनकी जमीन कब्जाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि विरोध करने पर भूमाफिया ने उनके साथ मारपीट भी की। आरोप लगाया कि मारपीट की घटना के बाद थाने से लेकर तहसील तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिससे भूमाफिया के हौसले बुलंद हो रहे है। आशा रावत ने बताया कि उनका बेटा सेना में देश की सेवा कर रहा है और यहां भूमाफिया द्वारा उनकी जमीन कब्जाने के साथ ही मारपीट की जा रही है। आशा रावत ने कहा कि जल्द ही उनको न्याय नहीं मिलने पर वह आत्मघाती कदम भी उठाने को मजबूर होंगी। इधर, डीएम डा. विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि मामले की जांच को लेकर एसडीएम श्रीनगर को निर्देश दिए गए है। साथ ही मारपीट की घटना पर संबंधित थानाध्यक्ष को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

In a Digital World Why
To wait for a Howker
Visit Us at http://app.page3news.co.in
Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप चौधरी द्वारा एल.के. प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित व जाखन जोहड़ी रोड, पी. ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित। संपादकः प्रदीप चौधरी
सिटी कार्यालयः शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून। फैक्स नं०- 0135-2650558 (M) 9319700701 pagethreedaily@gmail.com आर.एन.आई.नं0 UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

Scanned by CamScanner